भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2123

सोमवार, 5 अगस्त, 2024/14 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

खजुराहो-पन्ना में ग्राम पर्यटन

†2123. श्री विष्णु दत्त शर्माः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को खजुराहो में स्थित मंदिरों और पन्ना टाइगर रिजर्व के पूरक के कारण खजुराहो लोक सभा क्षेत्र के खजुराहो-पन्ना क्षेत्र में ग्राम पर्यटन की अपार संभावनाओं की जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार के पास आदर्श पर्यटन गांवों को विकसित करके या अन्य तरीके से क्षेत्र में ग्राम पर्यटन को बढ़ावा देने की कोई योजना है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजना के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को उनके परामर्श से वित्तीय सहायता प्रदान कर पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है । पर्यटन मंत्रालय ने इस योजना के तहत खजुराहो और पन्ना सहित मध्य प्रदेश में विभिन्न थीमों के अंतर्गत 4 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	वन्यजीव परिपथ 2015-16	पन्ना-मुकुंदपुर-संजय-दुबरी-बांधवगढ़- कान्हा-मुक्की-पेंच में वन्यजीव परिपथ का विकास	92.10
2.	बौद्ध परिपथ 2016-17	सांची-सतना-रीवा-मंदसौर-धार का विकास	74.02

3.	विरासत परिपथ 2016-17	ग्वालियर - ओरछा - खजुराहो - चंदेरी - भीमबेटका - मांडू का विकास	89.82
4.	इको परिपथ 2017-18	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध- ओंकारेश्वर बांध-इंदिरा सागर बांध-तवा बांध-बरगी बांध-भेड़ा घाट-बाणसागर बांध- केन नदी का विकास	93.76

पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न पहलों के माध्यम से निम्नलिखित सहित ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहित करता है:-

i. पर्यटन मंत्रालय ने इस योजना के तहत नीचे दिए गए विवरण के अनुसार ग्रामीण परिपथ थीम के अंतर्गत 2 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है :-

(राशि करोड़ रु. में)

राज्य/ स्वीकृति वर्ष	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
बिहार/2017-18	भितिहरवा-चंद्रहिया-तुर्कौलिया का विकास	44.27
केरल/2018-19	मालानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास	57.35

ii. पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है और उत्तराखंड में 32.20 करोड़ रु. की राशि से 'गुंजी में ग्रामीण पर्यटन क्लस्टर एक्सपीरियन्स' सहित देश में 29 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है ।

iii. पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन की 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' नामक उप-योजना के तहत निम्नलिखित 5 गंतव्यों सहित देश में 42 गंतव्यों को वाईब्रेंट विलेज श्रेणी के अंतर्गत चिन्हित किया है:-

राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	**गंतव्य**
अरुणाचल प्रदेश	किबिथो
हिमाचल प्रदेश	रक्छम , छितकुल
सिक्किम	ग्नाथंग गांव
उत्तराखंड	माना गांव
उत्तराखंड	जादुंग

iv. भारत में ग्रामीण पर्यटन के विकास हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप तथा ग्रामीण होमस्टे के संवर्धन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति जारी की गए है ।

v. भारत में ग्रामीण पर्यटन की क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए ग्रामीण पर्यटन गाँव पोर्टल (www.rural.tourism.gov.in) विकसित किया गया है ।

vi. पर्यटन मंत्रालय ने ऐसे गाँव को सम्मानित करने के लिए उत्कृष्ट पर्यटन गाँव प्रतियोगिता की शुरूआत की है जो प्रसिद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक परिसम्पत्तियों वाले पर्यटन गंतव्यों के उत्तम उदाहरण हैं और समुदाय- आधारित मूल्यों, उत्पादों तथा जीवन-शैली को संरक्षित और प्रोत्साहित करते हैं और जिनकी स्थायित्व के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता है।

vii. पर्यटन मंत्रालय संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) की उत्कृष्ट पर्यटन गाँव प्रतियोगिता में भाग लेता है।

viii. सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में ग्रामीण पर्यटन के विकास हेतु एक कार्य बल का भी गठन किया गया है जिसमें चिह्नित केन्द्रीय मंत्रालयों/राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों और औद्योगिक हितधारकों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

****